Unit-4 I C-3

Date

Expt. No. M.R. Ansari

Page No.

Presentation (प्रस्तुतीकरण)

⇒ एक प्रभावी शिक्षक एक उत्कृष्ट संचारक होता है और इसलिए वह अपनी प्रस्तुति कौशल को बेहतर बनाने के बारे में सोचता है। संवाद करने के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक आपके दर्शकों को फिट करने के लिए सामग्री और शैली दोनों को आकार देना है। कक्षा में, यदि शिक्षक इस तरह से संवाद नहीं करता जो अपने छात्रों के लिए दिलचस्प और समझ में नहीं आए तो बच्चों का सीखना बहुत कम हो जाएगा।

Definition of a Presentation (प्रस्तुतीकरण की परिभाषा)

⇒ प्रस्तुतीकरण एक विषय की सामग्री को छात्र के सामने प्रस्तुत करने की प्रक्रिया है। यह कुछ दृश्य सहायता का उपयोग करता है। यह आम तौर पर एक power point फाइल है जिसमें दिए जाने वाले भाषण (Speech) के लिए सभी स्लाइड्स (slides) होते हैं।

Steps In Making Effective Presentations

⇒ (1) कक्षा में सकारात्मक सोच के साथ प्रवेश करें, आज नया क्या करूँ?

M.R. Ansari

Teacher's Signature

II C-3

[2] दृष्टिकोण एवं विचार (Views and Ideas):-

=> आपका विचार सकारात्मक एवं लोचदार, क्रियाकलापों पर आधारित होना चाहिये एवं दृष्टिकोण-छात्र, शिक्षार्थी, सहयोगी शिक्षक मिलकर भविष्यगामी बनायें।

M.R. Ansari

[3] Incentive (प्रोत्साहन):-

=> समय-समय पर शिक्षक, शिक्षार्थी, छात्र स्वयं एक दूसरे को प्रोत्साहित करते रहें, विचार गोष्ठी (Seminar) में नवीन विषयों पर चर्चा अवश्य करें।

[4] Skills (कौशल):-

=> शिक्षकों में पारस्परिक कौशल उत्पन्न करने एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच का होना आवश्यक है।

=> प्रस्तुति शैली और व्यक्तिगत आत्मविश्वास उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि प्रस्तुति की वास्तविक सामग्री

[5] Presentation Style (प्रस्तुतीकरण शैली)

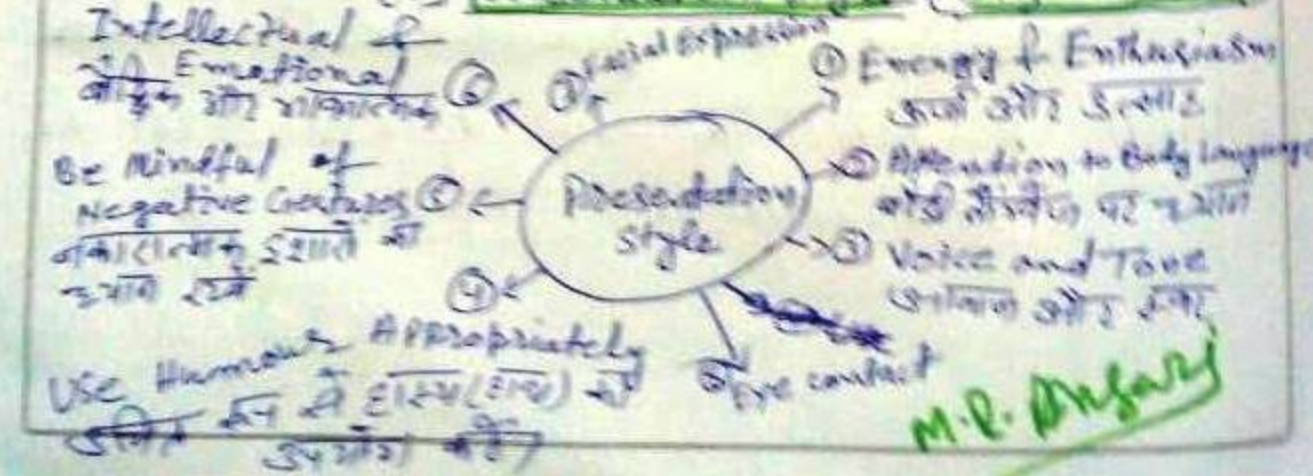

M.R. Ansari

Expt. No. III C-3 Date

Page No.

M.R. Angary

[6] Research (शोध)

⇒ अध्ययन - अध्यापन, शिक्षण प्रविधियों, शिक्षण प्रशिक्षण, कक्षा गतिकी एवं मूल्यांकन पर शोध निरंतर रूप से चलते रहना चाहिये

[7] Module Creation (मॉड्यूल निर्माण)

⇒ अपने विचारों, शोधों, रचनात्मक क्रियाकलापों (Creative activities), शिक्षण प्रविधियों (Teaching methods) एवं नवीन विधि निर्माण का संकलन अवश्य करें।

[8] Work Plan (कार्य योजना)

⇒ Module के आधार पर अपने लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के सम्प्राप्ति हेतु कार्य योजना तैयार कर लेने पर कक्षागत प्रक्रिया काफी आसान हो जाती है।

[9] Creative Learning (रचनात्मक शिक्षण)

⇒ शिक्षक विद्यार्थी के पूर्व ज्ञान, आचार-विचार एवं कौशल का इस्तेमाल सोचने समझने के नये तरीकों का सूत्रपात क्रियात्मक आधार पर करे तो रचनात्मक शिक्षण का आधार बनता है।

Teacher's Signature : M.R. Angary

M.R. Ansari

IV

C-3

8 (ix) Inspiration (प्रेरणा स्रोत)

=> शिक्षक स्वयं किसी के लिये प्रेरणा स्रोत बनें एवं बच्चों को भी प्रेरणादायी बनायें।

=> शिक्षकों के तौर पर हम कह सकते हैं कि

"One Book, One Pen, One child And One Teacher Can change the World"

M.R. Ansari